

### **Transforming North Bengal- An Industry Vision**

Date: 31<sup>st</sup> March 2021

#### **MEDIA DOSSIER**

PRINT MEDIA: UTTARBANGA SANGBAD, PRABHAT KHABAR ELECTRONIC MEDIA: DOORDARSHAN

# চা শিল্প রক্ষায় নতুন চারা রোপণের পরামর্শ

### অদি গড়াই

কলকাতা, ৩১ মার্চ : শিল বিঝাশের যাবভীয় রসদ মজুভ গাকা সত্তেও উভরবতে বেসরকারি বিনিয়োগ আশানকণ নয় কেন? বধনার কলকাভার এই 'পুরোলো' প্রপ্লের উত্তর খোজার টেষ্টা করল বেম্বল টেম্বার অফ কর্মাস আন্ত ইভাক্তি (বিসিসিআই)। আর সেই অনুসন্ধান পর্বে রাজ্যে চা শিয়ের উদ্বেগজনক ছবিটা সামনে এল। বণিকসভার উভারত কমিটির उरम्हारक अभिन "द्वासमार्थिः नर्थरगत्रका" च्यादनाइनाच THE WAY নি মেছিলেন রাজাপাল জন্দীপ ধনকর, ত্রিপুরা ধ মেঘালয়ের প্রাক্তন রাজ্ঞাপাল তথাগক রার, বিসিসিআইয়ের সভাপতি দেব এ মথোপাধান, উত্তরবন্ধ কমিটির দ্রেরারপার্সন বিশ্বজিং মহিস্তা, শিক্সপতি জগদীপ প্রকং, বণিকসভার স্বাস্থা সংক্রান্ত কমিটির প্রধান রবীন চরুবাড়ী, ব্রয়ন্ড কমিটির চেয়ারপার্সন অনুপ হন

উত্তরবাদে নিনিয়োগের প্রাসক্ষে বলতে গিছে প্রায় সবাই পরিবেশবাদ্ধন শিক্সের পাশাপাশি জি টি'(টি, টিসার, টুরিজম)-র জনাতম চা শিল্পকে সবাধিক গুরুত্ব দিয়েছেন। গত তিন

দশক থবে এই শিক্ষো সঙ্গে যুক্ত জগদীপ ভাৰত। দাবিদিন্ধ ও ভুৱাসের ডা বাধানের সমস্যাগুলি ভুলে থবেন ডিনি। গুকা জানান, পত কয়েকবছরে উভারবাস চামের উৎপাদন এক- ডাডীয়াংশ কমেছে। অথ্য মানবসম্পদ এক রয়ে পিয়েছে। অধিকাংশ বাধানের বরস ৩০ বছরের বেশি হওয়ার চামের গুণগত মানে প্রভাব পড়েছে। চা শিক্ষকে দীর্ঘমেরাকে বাঁচিয়ে রাখতে নতুন চারাখ্যাহ রোগগের পর্যাবর্শ ফেন ডিনি। ডা গাড়ের চারা উৎপাদনক্ষম হতে ১ বছরা সময় লাগে। ওই সময় পর্যস্ত গাছ রক্ষণাবেক্ষণের জন্য সরকারি সাহায্য জকরি বলে জানান ডিনি।

ভ্ৰমণের বড়বা, গাছের বয়স কম
হলে একদিকে মেনন বেলি পাতা পাওয়া
যায়, তেমনই চায়ের গুলমান ভালো হয়।
তিনি বলেন, 'উত্তরবাদ্ধর অধিকাশে
চা বাগান এখনও ব্রিটিশ আমলের
পরিকারানো ক্রমান বরাছে। উৎপাদন
ও চায়ের গুলমান যার প্রভাব পড়ছে।'
চা শিল্পে অস্থানিক প্রযুক্তি ব্যবহারের
গক্ষেও সওয়াল করেছেন তিনি। চিনের
অনুকরণে এলাকা ভিত্তিক বিশেব বর্তনের
চায়ের গুলমার ভিত্তিক বিশেব বর্তনার
চায়ের গুলমার ভারমার গুলমার ভারমার গুলমার
চায়ের ও হাজার গুলী উচ্চভার একটি

মান ধনকের চা চাম হয়ে থাকে।

চায়ের পাশাপাশি পরিবেশনাক্ষর শিল্প গড়ার ওপর গুরুত্ব দিয়েছেন দেব এ মুখোপাধায়। ভার মতে, শিক্ষের বিকাশের জনা আর্থ-রাজনৈতিক স্থিতিশীলতা হাড়াও, প্রাকৃতিক ও সাংস্কৃতিক বৈচিয়েলে ভূমিকা নচেছে। এন ভিভিতে উভনবছেন ৮ জেলাম জুড় ও মাঝারি শিক্ষের বিকাশের পক্ষে সধ্যাদ করেন ডিনি। প্রধানমন্ত্রী নরেন্দ্র মোদির পূবে ডাকাও নীতিতে উত্তরবাদের গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা রয়েছে বলে জানান রাজ্যপাল ধনকর। বিশ্বজিৎ মহিলা ভার বন্ধবো জেলা ভিত্তিক শিল্প বিকাশের ক্ষেত্রগুলিকে চিক্তি করার কথা বলেন। নেপাল, ভুটান, বাংলাদেশের সাঙ্গ এই অঞ্চলের মোগামোগ পরিকাঠায়ের উন্নত করার পচ্ছে সধ্যাল করেন ডিনি। চা ছাড়াও উত্তরবঙ্গে খাদা প্রক্রিয়াকরণ, পর্যটন, মান্ত্য, শিক্ষা কেন্দ্ৰিক পরিকাঠামো তৈরির বিপুল সম্ভাবনা নিয়ে অংলোচনা করেন বন্ধার। চিকিৎসক রবীন চক্রবাড়ীর মতে, উত্তরবাক্ত শিল্পারন হলে ৩টি প্রতিবেশী দেশ সহ গোটা উত্তর-পূৰ্ব ভাৰতে ভাৰ বাজাৰ গতে উঠবে। বদলে যাবে ৮ জেলার অর্থনৈতিক SIMES AL



ু সা

শিলিভড়ি MARKET. মোকাবিলায় স্থান হৈ 176 প্রাক্তেশের নারু করল সিকিয হতে বৃহস্পা থেকে নাজা স ব্যক্তিলের নিমে সিকিমের মুখ সাক্ষ সরকার আন্তর পোরে স এবং হতাশ হা প্ৰটিন ব্যৱসায় করোনার বাহন 外有二十分在

তেকিনেশন টি
নিচছন পৰ্যটক
পাহাতে ভো
পৰ্যটক সিকিম
প্রথমে রাখ্যমপত বছরের 
ক্মানোর প
প্রটন বাবস্থা

याज

## 'ट्रांसफॉर्मिंग नॉर्थ बंगाल : एन इंडस्ट्री विजन' पर परिचर्चा

कोलकाता. बंगाल चैंबर ऑफ ऑपर्स ने बधवार को 'टांसफॉर्मिंग नॉर्ध बंगाल : एन इंडस्ट्री विजन' विषय पर कॉन्क्लेव का आयोजन किया. जहां क्षेत्र के भविष्य को ध्यान में रखते हुये विभिन्न संभावनाओं और कारकों पर चर्चा की गयी. मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल जगदीप घनखड मीज़द रहे. श्री धनखड़ ने कहा कि उत्तर बंगाल, बोग और प्रकृति चिकित्सा केंद्र के रूप में उभर सकता है, इसी के साथ यह क्षेत्र एनड डेंडिया का प्रवेश हर है, जिससे अधिक लाभ हो सकता है, इस अवसर पर चैंबर के अध्यक्ष देव ए मुखर्जी ने कहा कि एक जिम्मेदार चैंबर के तीर पर पर्यावरण से समझौता किये बिना अर्थिक विकास को संतुलित करने की आवश्यकता है, समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करते हुए और विकास के योजना के लिये स्थानीय समदायों के साथ जुड़कर, बेहतर युनियादी ढांचे और मृल्य चालित व्यापार पर्यावरण प्रणाली के लिए मार्वजनिक खर्च में नीतिगत हस्तक्षेपों के



साथ आगे बदने की जरूरत है. इस दौरान त्रिपुरा और मेघालय के पूर्व राज्यपाल तथागत राय ने कहा कि उत्तर बंगाल, उत्तर पूर्व भारत के राज्यों से जुड़ा है. सरकार की एक्ट इस्ट नीति के बावजूद, उत्तर बंगाल अविकस्तित है क्योंकि चीजों में सुधार के लिए द्रदर्शिता और इस्ट्रे की कभी है. बंगाल को विकस्ति करने में सिलीगुड़ी की अहम भूमिका है, क्योंक यह चार अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को साझा करता है, कार्यक्रम में उत्तर बंगाल के उद्योगपति योगदीप गुरुंग, इंटरनेशनल बिजनेस एंड कंटेनर फेट सर्विसेज, सेंचुरी प्लाइ के अध्यक्ष आशुताप जायसकत, बीसीसीआइ मार्केटिंग एंड ब्रॉड कमेटी के अध्यक्ष अनुप हुन और स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष डॉ राबिन चक्रवर्तों मौजद रहे.